यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालयों तथा अन्य राष्ट्रीय आयोगों के साथ संपर्क

यूनेस्को, नई दिल्ली कार्यालय

यूनेस्को का नई दिल्ली कार्यालय जो एशिया में संगठन का पहला विकेन्द्रीकृत कार्यालय है, की स्थापना वर्ष 1948 में हुई थी। वर्ष 2001 में नई विकेन्द्रीकृत नीति के परिणामस्वरूप, नई दिल्ली कार्यालय को संप्रेषण तथा सूचना के लिए कलस्टर कार्यालय तथा एशिया पैसीफिक रीजनल ब्यूरो के रूप में तैयार किया गया है। कलस्टर कार्यालय के रूप में यूनेस्को का नई दिल्ली कार्यालय, भूटान, भारत, मालद्वीव तथा श्रीलंका के साथ संबंध बनाए रखता है। यह कार्यालय विश्व भर में 53 यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यालयों के नेटवर्क का हिस्सा है, जो हर दो वर्ष में यूनेस्को आम सभा द्वारा अनुमोदित संगठन के द्विवार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित करता है।

यूनेस्को, नई दिल्ली कार्यालय अपने क्षेत्र में भागीदारी, सहयोग तथा अन्य सहयोगी तंत्र के विकास पर महत्व देता है ताकि यह अपने कार्यक्रम संबंधी कार्यकलापों के लिए क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर महत्व को बढ़ा सके।

यूनेस्को बैंकॉक कार्यालय

बैंकॉक में यूनेस्को कार्यालय की स्थापना वर्ष 1961 में प्राथमिक तथा अनिवार्य शिक्षा के लिए एशिया क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में की गई थी। इस कार्यालय का बाद में विस्तार किया गया जिसमें शिक्षा क्षेत्र के सभी डिवीजनों तथा पैसीफिक क्षेत्र के सभी देशों को शामिल किया गया है। संस्कृति, संचार तथा सामाजिक व मानव विज्ञान क्षेत्रों से संबंधित कार्यकलापों के समेकन के फलस्वरूप विकास की वजह से वर्ष 1987 में इस कार्यालय का नाम बदलकर एशिया तथा पैसिफिक के लिए प्रधान क्षेत्रीय कार्यालय किया गया।

वर्ष 2002 से बैंकॉक स्थित यूनेस्को कार्यालय की दो मुख्य भूमिकाएं हैं। एशिया एंड पैसीफिक रीजनल ब्यूरो ऑफ एजूकेशन के रूप में यह कार्यालय सभी क्षेत्रीय कार्यालयों तथा क्षेत्र के सदस्य राज्यों के लिए अधिकांश क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्याक्रमों के स्थल, सूचना, सुविज्ञता के प्रावधान तथा सदस्य राज्यों को क्षेत्र के अंतर्गत अतिरिक्त बजटीय अवसरों हेतु तकनीकी सलाहकार निकाय है। संस्कृति तथा सामाजिक एवं मानव विज्ञानों के लिए इसकी क्षेत्रीय इकाइयॉ भी हैं।

यूनेस्को के सुविज्ञता के क्षेत्रों में विकास के लिए कार्य करने तथा कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने हेतु यूनेस्को का बैंकॉक स्थित कार्यालय, मैकांग क्षेत्र के देशों के लिए उप–क्षेत्रीय कलस्टर कार्यालय है। इन सभी कार्यों को यह यूनेस्को राष्ट्रीय आयोग तथा लियो पीडीआर, म्यांमार तथा थाइलैंड (देशों जिनके लिए इस कार्यालय को

सरकारी तौर पर यूनेस्को प्रतिनिधि कार्यालय पदनामित किया गया है) में अन्य सहभागियों तथा वियतनाम तथा कंबोडिया में यूनेस्को के मौजूदा कार्यालयों के सहयोग से करता है।

यूनेस्को का मूल उद्‌देश्य क्षमता–शिक्षा, प्राकृतिक तथा सामाजिक विज्ञानों, संस्कृति तथा संचार एवं सूचना के यूनेस्को के क्षेत्रों में कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं के माध्यम से सहिष्णुता, लोकतंत्र तथा मानव अधिकारों द्वारा सहिष्णु सतत मानव विकास के लिए सहयोग करना है।

एशिया तथा पैसीफिक में 44 सदस्य राज्यों के लिए इस मिशन को पूरा करने में यूनस्को का बैंकॉक स्थित कार्यालय, एशिया तथा पैसीफिक क्षेत्र जिसमें विश्व की जनसंख्या का लगभग दो–तिहाई भाग शामिल है, तथा इसकी विविधता तथा सांस्कृतिक बहुवाद तथा इसकी संभावित तथा सतत समस्याएं शामिल हैं, के विस्तृत आकार को ध्यान में रखता है।

संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में अपनी संबंधित एजेंसियों के साथ यूनेस्को क्षेत्र के गतिशील तथा दीर्घकालिक आर्थिक विकास को समेकित करने तथा क्षेत्र की शांति, सुरक्षा तथा विकास संबंधी चुनौतियों को स्वीकार करके विकास के लिए सहायक अपने नैतिक मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

<u>सभी के लिए शिक्षा का एशिया तथा पैसीफिक कार्यक्रमः</u>

बुनियादी शिक्षा के समेकित घटकों के रूप में साक्षरता, प्राथमिक शिक्षा तथा सतत शिक्षा को प्रोन्नत करने के लिए सभी के लिए शिक्षा के एशिया तथा पैसीफिक कार्यक्रम क्षेत्रीय सहकारी कार्यक्रम है। वर्ष 1985 में यूनेस्को आम सभा द्वारा अनुमोदित इस कार्यक्रम को वर्ष 1987 में सरकारी तौर पर शुरू किया गया।

सभी के लिए शिक्षा का एशिया तथा पैसीफिक कार्यक्रम, स्त्री–पुरूषों को मुख्यधारा में लाने, नेटवर्किंग तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सम्यक उपयोग पर विशेष बल देता है। सभी के लिए शिक्षा का एशिया तथा पैसीफिक कार्यक्रम के कार्यक्रमों का मुख्य लक्ष्य मुख्यतः वे वर्ग हैं जिन्हें शिक्षा क्षेत्र से बाहर रखा जाता है, उदाहरणार्थ महिलाएं तथा बालिकाएं, गरीब तथा सुविधाविहीन, अल्पसंख्यक एवं विकलांग। यह कार्यक्रम औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा में नवाचारों को प्रोत्साहित करता है तथा इसका उद्‌देश्य उन्हें जोड़ना है ताकि समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से अच्छी कोटि की बुनियादी शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

<u>विकास के लिए एशिया एवं पैसीफिक शैक्षिक नवाचार कार्यक्रमः</u>

इस कार्यक्रम को यूनेस्को अंतर–देशीय कार्यक्रम के रूप में वर्ष 1973 में सरकारी तौर पर शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का मुख्य अधिदेश, राष्ट्रीय विकास उद्‌देश्यों को प्राप्त करने के लिए शैक्षिक नवाचारों के सृजन तथा उपयोग हेतु सदस्य राज्यों की क्षमता को सुदृढ़ करना है। इस कार्यक्रम के मुख्य उद्‌देश्य हैंः– (प)

अंतर–प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में समानता तथा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नवाचारों को प्रोत्साहित करना तथा सुकर बनाना (पप) कार्यक्रम के सभी क्षेत्रों में नवाचारों को शुरू करने के लिए सदस्य देशों की क्षमता को सुदृढ़ बनाना तथा अंतर–देशीय तकनीकी सहयोग को प्रोन्नत करना तथा सफल नवाचारों को बांटना, और (पपप) देशों के बीच तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहित करना तथा सफल नवाचारी अनुभवों को बांटना।

एशिया तथा पैसीफिक में संस्कृति के लिए क्षेत्रीय सलाहकार

एशिया तथा पैसीफिक में संस्कृति के लिए क्षेत्रीय सलाहकार का मुख्य उद्देश्य एशिया–पैसीफिक क्षेत्र में सांस्कृतिक सृजनात्मकता को बढ़ाना तथा विश्व की विरासत का संरक्षण करना है। तेजी से बदलते हुए एशिया पैसीफिक क्षेत्र में, प्रत्येक समुदाय की सांस्कृतिक तथा मानवीय पूंजी की विभिन्न परिसंपत्तियों को अधिकतम करने संबंधी नीति पर आधारित सतत सामाजिक तथा आर्थिक विकास को प्रोन्नत करके ग्लोबलाइजेशन के नकारात्मक पहलुओं को समाप्त करने में यूनेस्को की महत्वपूर्ण भूमिका है।

(यूनेस्को बैंकॉक कार्यालय के कार्यकलापों के बारे में विवरण को उनकी वेबसाइट *www.unescobkk.org* पर देखा जा सकता है)।

यूनेस्को के लिए एशिया–पैसीफिक सांस्कृतिक केन्द्र, जापान

क्षेत्र के लोगों में पारस्परिक सद्भाव तथा सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए कार्यशील यूनेस्को के सिद्धांतों के अनुसरण में यूनेस्को के लिए एशिया–पैसीफिक सांस्कृतिक केन्द्र, एशिया तथा पैसीफिक क्षेत्रीय कार्यकलापों के लिए एक लाभ न कमाने वाला संगठन है।

इसकी स्थापना जापान के पब्लिक तथा प्राइवेट क्षेत्रों के संयुक्त प्रयासों द्वारा वर्ष 1971 में की गई थी। यह तब से यूनेस्को तथा एशिया तथा पैसीफिक में अपने सदस्य राज्यों के साथ सहयोग से संस्कृति, शिक्षा तथा वैयक्तिक विनियम के क्षेत्रों में विभिन्न क्षेत्रीय सहयोगी कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है।

एसीसीयू ने यूनेस्को के एशिया तथा पैसीफिक सदस्य राज्यों द्वारा योजनाबद्ध तथा कार्यान्वित कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया है। यह संयुक्त कार्यक्रम योजना क्षेत्र में विविध संस्कृतियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए सामान्य उपयोग के लिए अच्छी कोटि की विभिन्न सामग्रियों के उत्पादन जैसी अपनी सहयोगी परियोजनाओं पर लागू नहीं होती। इस समय एसीसीयू, एशिया पैसीफिक क्षेत्र में यूनेस्को के सदस्य राज्यों के साथ निम्नलिखित कार्यकलापः– सांस्कृतिक विविधता के सम्मान को प्रोन्नत करने के लिए सांस्कृतिक सहयोग कार्यक्रम, पठन संवर्धन तथा पुस्तक विकास, सतत विकास के लिए शिक्षा, साक्षरता/अनौपचारिक शिक्षा तथा विभिन्न वैयक्तिक कार्यक्रमों जैसे सभी के लिए शिक्षा संबंधी कार्यक्रम ताकि सभी लोगों को आपस में मिलने तथा पढ़ने का अवसर मिल सके। (एसीसीयू, जापान के बारे में जानकारी इसकी वेबसाइट *http://www.accu.or.ip* पर उपलब्ध है)